International Yoga Day 2017 : Dr. H. S. Gour Vishwavidyalaya Sagar (MP)

News Paper Report : 22-06-2017

योग दिवस | विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भव्य आयोजन

स्वास्थ्य के लिए योग को अपनाने की आवश्यकताः कुलपति

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के योग विभाग के विभागाध्यक्ष द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार योग शिक्षा विभाग द्वारा आज गौर समाधि परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम 21 जून 2017 को गौर समाधि प्रांगण में प्रातः 6 से 8 बजे तक दीप प्रज्वलन कर माँ सरस्वती एवं गौर साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेन्द्र प्रसाद तिवारी की अध्यक्षता में, चण्डीगढ़ के प्रो. धनराज शर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं भोपाल के महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के डॉ. निलिंप त्रिपाठी के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। डॉ. निलिंप त्रिपाठी ने महर्षि पतंजलि के योगसूत्र की विस्तृत जानकारी देते हुए इसकी वैज्ञानिक समय में उपयोगिता बताते हुए राजयोग एवं अष्टांग योग के अंगो को जीवन में व्यवहारिक रूप में उतारने पर बल दिया। प्रो. धनराज शर्मा ने शिक्षा जगत में सरकारी एवं निजी संस्थानों में योग की अनिवार्यता एवं आवश्यक संसाधनों को जुटाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने विश्वविद्यालय के देश के विश्वविद्यालयीन स्तर पर प्रथम योग शिक्षा विभाग की प्रशंसा करते हुए इसके द्वारा विगत 6 दशकों से भी अधिक चलाए जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों को सुचारू रूप से चलाने पर भूरि–भूरि सराहना की एवं इसके अधिक से अधिक विकास की आवश्यकता बताई। कुलपति प्रो. राघवेन्द्र प्रसाद तिवारी ने इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के प्रस्तुतीकरण की सराहना करते हुए विश्वविद्यालय के प्रत्येक सदस्य को योग के व्यवहारिक स्वरूप को अपनाकर अपने जीवन को उल्लास एवं आनंद से भरकर सुखपूर्वक एवं पूर्ण समर्पण के साथ अपने अपने क्षेत्र में विकास एवं उन्नति की कामना की। विशेष रूप से अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में देश के कोने–कोने से पधारे अतिथियों, मीडिया एवं योग विभाग की टीम की प्रस्तुतियों के लिए आभार प्रकट किया। इस अवसर पर शुभम नेमा ने मंच का संचालन किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार के सभी कर्मचारी, विद्यार्थी, अधिकारी, शिक्षक, बड़ी संख्या में उपस्थित थे जिनमें प्रो. ए.पी. त्रिपाठी, प्रो. जी.एल. पुणताम्बेकर, डॉ. अरूण कुमार साव, श्यामपाल, प्रो. अखिलेश दुबे, प्रो. चंदा बैन, प्रो. नवीन कांगो, प्रो. जे.डी. आही, प्रो. मेहता आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

स्वास्थ्य के लिए आजीवन योग को अपनायें : कुलपति

आचरण संवाददाता

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के योग शिक्षा विभाग द्वारा आज गौर समाधि परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम २१ जून २०१७ को गौर समाधि प्रांगण में प्रातः ६ से ८ बजे तक दीप प्रज्ज्वलन कर माँ सरस्वती एवं गौर साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेन्द्र प्रसाद तिवारी की अध्यक्षता में, चण्डीगढ़ के प्रो. धनराज शर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं भोपाल के महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के डॉ. निलिंप त्रिपाठी के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का प्रारम्भ छात्र-छात्राओं द्वारा दैनिक प्रार्थनाओं से हुआ। इस अवसर पर आयुष मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त योगाभ्यास क्रम-प्रोटोकाल का अभ्यास किया गया। जिसके अंतर्गत सूक्ष्म व्यायाम, सभी प्रकार के प्रोफेसर एवं योग विभागाध्यक्ष डॉ. गणेश शंकर गिरि ने अतिथियों का परिचय एवं स्वागत किया। उन्होंने योग दिवस संबंधी अनेक गतिविधियों की चर्चा करते हुए १६ से ३० जून तक कार्यशाला, क्विज प्रतियोगिताएं, चित्र प्रदर्शनी, चलचित्र प्रदर्शनी, द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं आमंत्रित विषय विशेषज्ञों के व्याख्यानों की जानकारी दी। डॉ. निलिंप त्रिपाठी ने महर्षि पतंजलि के योगसूत्र की विस्तृत जानकारी देते हुए इसकी वैज्ञानिक समय में उपयोगिता बताते हुए राजयोग एवं अष्टांग योग के अंगो को जीवन में व्यवहारिक रूप में उतारने पर बल दिया। प्रो. धनराज शर्मा ने शिक्षा जगत में सरकारी एवं निजी संस्थानों में योग की अनिवार्यता एवं आवश्यक संसाधनों को जुटाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने विश्वविद्यालय के देश के विश्वविद्यालयीय स्तर पर प्रथम योग शिक्षा विभाग की प्रशंसा करते हुए इसके द्वारा विगत ६ दशकों से भी अधिक चलाए जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों को सुचारू रूप से चलाने पर भूरि-भूरि सराहना की एवं इसके अधिक से अधिक विकास की आवश्यकता बताई। कुलपति प्रो. राघवेन्द्र प्रसाद तिवारी ने इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के प्रस्तुतिकरण की सराहना करते हुए विश्वविद्यालय के प्रत्येक सदस्य को योग के व्यवहारिक स्वरूप को अपनाकर अपने जीवन को उल्लास एवं आनन्द से भरकर सुखपूर्वक एवं पूर्ण समर्पण के साथ अपने अपने क्षेत्र में विकास एवं उन्नति की कामना की।

कुलसचिव प्रो. निवेदिता मैत्रा ने कार्यक्रम को सुचारू रूप से आयोजन करने पर प्रसन्नता एवं आयोजन समिति के सभी सदस्यों का आभार माना। इस अवसर पर शुभम नेमा ने मंच का संचालन किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार के सभी कर्मचारी, विद्यार्थी, अधिकारी, शिक्षक, बड़ी संख्या में उपस्थित थे जिनमें प्रो. ए.पी. त्रिपाठी, प्रो. जी.एल. पुणताम्बेकर, डॉ. अरुण कुमार साव, श्यामपाल, प्रो. अखिलेश दुबे, प्रो. चंदा बैन, प्रो. नवीन कांगो, प्रो. जे.डी. आही, प्रो. मेहता आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

विवि में गौर समाधि पर हुआ कार्यक्रम

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में गौर समाधि परिसर में कार्यक्रम हुआ। प्रोटोकॉल के तहत कराए गए अभ्यास में विवि परिवार के सदस्यों ने सहभागिता की। मुख्य अतिथि चंडीगढ़ के प्रो. धनराज शर्मा थे। विशिष्ट अतिथि भोपाल के महर्षि महेश योगी वैदिक विवि के डॉ. निलिंप त्रिपाठी थे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. आरपी तिवारी ने की। इस दौरान योग विभाग के विद्यार्थियों द्वारा अनुपम योग क्रियाओं जिसमें कठिन आसनों एवं मलखंभ पर विभिन्न प्रकार के योगासनों का प्रदर्शन किया गया। इसकी सभी ने प्रशंसा की। स्वागत भाषण में विभागाध्यक्ष डॉ. गणेश शंकर गिरि ने बताया कि 16 से 30 जून तक कार्यशाला, क्विज प्रतियोगिताएं, चित्र प्रदर्शनी, चलचित्र प्रदर्शनी, दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं आमंत्रित विषय विशेषज्ञों के व्याख्यानों की जानकारी दी। आभार प्रभारी कुलसचिव प्रो. निवेदिता मैत्रा ने माना। संचालन शुभम नेमा ने किया।